

[श्री भार्गव भंडार]

होना बिल नहीं होने तो रे खेती नहीं कर पायेंगे उन के पास ट्रैक्टर या प्राथमिक योजनार नहीं है, वे लोग तो सिर्फ दो बैलों से खेती करते हैं, लेकिन जब बैलों को प्रभाव होगा तो किसान हाथ पर हाथ धरे बैठ रहेगा। इस लिये पास के लिये खास व्यवस्था करनी चाहिये।

हम लोग हमेशा सिंचाई की बात करते हैं, इस लिये कृषि मंत्रालय के साथ इसका सीधा सम्बन्ध आता है। हम चाहते हैं कि सिंचाई विभाग कृषि मंत्रालय से सम्बद्ध होना चाहिये ताकि जो समन्वय की बातें होती हैं, समन्वय न होने के कारण कोई काम ठीक से नहीं हो पाता है, इस लिये समन्वय की दृष्टि से यह विभाग कृषि मंत्रालय के हाथ सम्बद्ध होना चाहिये।

एक बात और कहना चाहता हूँ—देश का जंगल बरबाद हो रहा है—तमाम पहाड़ियां साफ हो चुकी हैं, उन में खेती भी नहीं हो सकती है। इस लिये मैं चाहता हूँ कि तमाम पहाड़ियों पर जंगल लगाये जायें। कागजी तौर पर बन-महोत्सव मनाये जाते हैं, करोड़ों रुपया खर्च होता है, लेकिन उस के बाद एक भी वृक्ष देखने जायें तो नहीं मिलेगा। यह कागजी खाना-पूरी नहीं होनी चाहिये। जमीन के कटाव को रोकने के लिये भी यह जरूरी है तथा सायल-कन्जर्वेशन के लिये भी जरूरी है। बन-सम्पदा की आवश्यकता को देखते हुए नये बन लगाये जायें, वास्तविक रूप से पैसा खर्च हो और उन की देखरेख हो।

18.15 hrs.

CONVICTION OF MEMBER—contd.

MR. CHAIRMAN: I have to inform the House that the Speaker has received the following telegram, dated

the 7th April, 1973, from the Jail Superintendent, Ujjain:—

“Shri Phool Chand Verma, Member, Lok Sabha, was sentenced to undergo simple imprisonment for five days by the Magistrate, First Class, Ujjain, on the 17th April, 1973, for violating section 3/7 of the Essential Commodities Act.”

18.19 hrs.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION
IMPROPER FUNCTIONING OF CALCUTTA
TELEPHONES

SHRI SAMAR GUHA (Contd.):
Sir, Calcutta telephone has received not only unjust and unfair but even step-motherly treatment at the hands of the Government. My short comment will be justified by the statistics given by the Government themselves. Let me give comparative figures only for Calcutta, Bombay and Delhi. In 1961 Calcutta had 73,600 telephone lines while Bombay had 47,795 lines and Delhi 32,400 lines. During the Third Plan, Bombay had the privilege of getting an allotment of 58,100 lines plus 30,000 imported, making a total of 88,100. Delhi—26,700 and 13,000 imported, totalling 41,000. Calcutta—only 20,300.

In the Fourth Plan Bombay had an allotment of 92,000; Delhi 62,000 and Calcutta—68,000. In the proposed Fifth Plan, Bombay will have an allotment of 1,84,000; Delhi—1,08,000 and unfortunate Calcutta only 69,000.

If you see the comparative figures in terms of 1961 figure as the base, the allotment increase for Bombay in the First Plan was 187 per cent; Delhi—128 per cent and Calcutta—no increase in percentage. In the Fourth Plan, Bombay had 197 per cent increase; Delhi—212 per cent increase. In the proposed Fifth Plan, Bombay—391 per cent; Delhi—338 per cent. About unfortunate Calcutta, nothing should be mentioned.

At present, Bombay has 1,68,000; Calcutta—1,32,000 and Delhi 99,135. By